ललित कला अकादेमी
प्रेस विज्ञप्ति

माननीय संस्कृति मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने किया 59वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का उद्घाटन

राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कलाकारों को मान्यता प्रदान करने और विलक्षण कलाकृतियों को प्रदर्शित करने हेतु ललित कला अकादेमी प्रतिवर्ष राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी आयोजित करती है। 59वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय संस्कृति मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने किया। प्रदर्शनी में चित्रकला, मूर्तिशिल्प, ग्राफिक, फोटोग्राफी, ड्राईंग, संस्था और बहुमाध्यम सरीखे वृहद कला माध्यमों की कलाकृतियाँ शामिल है। प्रदर्शनी के उद्घाटन के मौक़े पर कलाकारों, कला आलोचकों, कला प्रेमियों, कला संग्रहक भी भारी संख्या मौजूदगी रही। **डॉ. महेश शर्मा ने 59वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के कैटलॉग का भी विमोचन किया।**

इस अवसर पर माननीय संस्कृति मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने कहा "इस प्रतिष्ठित प्रदर्शनी के माध्यम से इतनी अधिक संख्या में कलाकार अकादेमी से जुड़ते है। प्रदर्शनी में इतनी अधिक संख्या में प्राप्त प्रविष्टियों में से चयन करना जूरी के लिए वाकई कठिन काम था परन्तु उन्होंने कुशलतापूर्वक श्रेष्ठ कृतियों का चयन किया। यह प्रदर्शनी युवा और उभरते कलाकारों को एक मंच प्रदान करती है जहाँ विभिन्न कला माध्यमों के कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं।" उन्होंने आगे कहा कि **"एक व्यक्ति जो हाथ से कार्य करता है मजदूर है, दिमाग से कार्य करता है तो इंजिनियर है परन्तु दिल से काम करने वाला कलाकार होता है, आईए हम साथ मिलकर इन कलाकारों की कला और सृजनात्मकता को अवसर दे। अकादेमी अपने इन कार्यक्रमों के माध्यम से कला व संस्कृति को आगे बढ़ाने का सृजनात्मक कार्य कर रही है और इस तरह राष्ट्रनिर्माण में भी योगदान दे रही है। अन्त में उन्होंने अकादेमी के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए कलाकारों से इसी प्रकार जुड़े रहने का संदेश दिया।"**

ललित कला अकादेमी के प्रशासक श्री सि.एस. कृष्ण सेट्टि के अनुसार "समकालीन कला की पहुँच व्यापक रूप से है और पूरी दुनिया में यह विकसित हो रही है। कलाकार नए माध्यमों पर प्रयोग कर रहे हैं और अपने चारों ओर के वातावरण से प्रेरित हैं। एक कलाकृति हर कलाकार की विशिष्ट शैली है जो भारतीय कला पर वर्तमान सांस्कृतिक और भौगोलिक प्रभावों का चित्रण है जिस कारण से आज कला में लोगों की रुचि बढ़ रही है। यह प्रदर्शनी उसी की बानगी है।"

उद्घाटन समारोह में अद्वैत गणनायक (महानिदेशक, एनजीएमए), विजय कुमार, कैथरीन कुमार, प्रवेश खन्ना, मुकुल पंवार, गोगी सरोजपाल, आनंदमॉय बनर्जी जैसे गणमान्य व्यक्तियों एवं पुरस्कृत कलाकार अमित दत्त के साथ–साथ भारी संख्या में कलाकारों और कला प्रेमियों ने भी हिस्सा लिया।

अकादेमी को पूरे देश से 1433 कलाकारों की 3644 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई थीं। चयनकर्ताओं ने राष्ट्रीय प्रदर्शनी हेतु 171 कलाकारों की विभिन्न माध्यमों की 172 कलाकृतियों का चयन किया। 172 कलाकृतियों में से निर्णायक मंडल ने 59वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के लिए 15 राष्ट्रीय अकादेमी पुरस्कारों का चयन किया।